सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

कानपुर, बुधवार, 27 अगस्त, 2025
वर्षः 02, अंकः 226, पृष्ठः 8+4

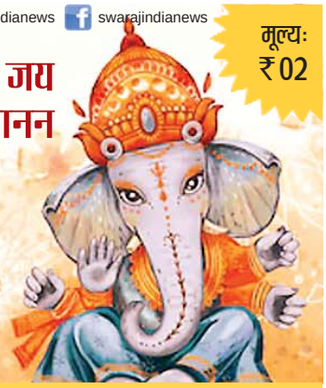

इनसाइड ...ठगी करने वाली पैथोलॉजी बेनकाब » Pg 03

...किसी नेता के भरोसे नहीं छोड़ सकते » Pg 12

मां वैष्णो देवी मंदिर के पास लैंडस्लाइड

33 लोगों की मौत

पीएम मोदी ने जताया दुख हर संभव मदद का एलान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कटरा। श्री माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर भूस्खलन से मरनेवालों की संख्या बढ़कर 33 हो गई है। यात्री फंसे हुए हैं और बचाव कार्य जारी है। ख़राब मौसम के कारण यात्रियों को यात्रा स्थगित करने की सलाह दी गई है। जम्मू में कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

श्री माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 33 हो गई है। इस घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है और हर संभव मदद की घोषणा की है। उन्होंने इस हादसे में घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की है। यात्रा मार्ग पर बचाव कार्य जारी है।

इसके अतिरिक्त, जम्मू के चनैनी नाला में एक कार गिरने से तीन श्रद्धालु बह गए। लापता तीन में से दो श्रद्धालु

राजस्थान के धौलपुर और एक आगरा का रहने वाला है। रविवार से जारी वर्षा के कारण जम्मू की सड़कें व पुल झेल नहीं पाए और शहर में भीषण बाढ़ जैसे हालात बन गए। इसके साथ ही जम्मू का देश से सड़क व रेल संपर्क पूरी तरह कट गया। मंगलवार रात भारी बारिश की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने रात नौ बजे के बाद अकारण घरों से बाहर निकलने पर भी रोक लगा दी थी। तवी, चिनाब, उज्ज सहित सभी नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं।

जम्मू में तवी नदी पर बना भगवतीनगर पुल की एक लेन धंस गई, जबकि इस नदी पर बने दो अन्य पुलों पर एहतियातन आवाजाही बंद कर दी गई है। कठुआ के पास पुल धंसने से जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय पर यातायात पहले से प्रभावित था। अब इस राजमार्ग पर विजयपुर में एम्स के निकट स्थित देविका पुल भी क्षतिग्रस्त हुआ है। इसके बाद सड़क यातायात पूरी तरह बंद कर दिया गया। सांबा में सेना के जवानों ने खानाबदोश गुज्जर समुदाय के सात लोगों को नदी से सुरक्षित बाहर निकाला है। जम्मू संभाग के सभी स्कूलों और कालेजों में 27 अगस्त को अवकाश घोषित किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स ट्रंप के फोन का जवाब न देने पर भारतीय राजनयिक का दावा

'पीएम मोदी फोन पर डील नहीं करते'

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। जर्मन और जापानी मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि पीएम मोदी ने हाल में राष्ट्रपति ट्रंप के चार फोन का जवाब नहीं दिया। भारतीय राजनयिकों ने कहा कि मोदी संवेदनशील मुद्दों पर फोन पर बातचीत नहीं करते। वहीं, अमेरिका ने कॉल्स पर पुष्टि से इनकार किया। ट्रंप बार-बार खुद को भारत-पाक शांति निमार्ता बताते रहे, लेकिन भारत ने उनके दावों को खारिज किया।

जर्मन अखबार फ्रैंकफर्टर अल्गेमाइन की रिपोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका-भारत के रिश्तों में हलचल बढ़ा

दी है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल के हफ्तों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चार फोन का जवाब नहीं दिया। यह ऐसे समय सामने आया है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार विवाद गहराता जा रहा है। जापानी मीडिया निक्केई एशिया ने भी यही दावा किया है कि ट्रंप लगातार फोन कॉल्स का जवाब न मिलने से बेहद नाराज थे। टाइम्स ऑफइंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, एक वरिष्ठ भारतीय राजनयिक ने स्पष्ट किया कि मोदी फोन पर संवेदनशील मुद्दों पर बातचीत नहीं करते। अधिकारी ने कहा कि यह प्रधानमंत्री की कार्यशैली नहीं है कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर के जटिल मामलों पर फोन पर समझौता करें। सूत्रों ने यह भी जोड़ा कि मोदी ने ट्रंप की कॉल्स का जवाब न देकर इस आशंका से बचने की कोशिश की कि कहीं ट्रंप बातचीत को गलत ढंग से पेश न कर दें। इससे पहले भी भारत ने ट्रंप पर आरोप लगाया था कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान तनाव के दौरान हुई चर्चाओं को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया।

अमेरिका की प्रतिक्रिया और ट्रंप के दावे

अमेरिकी अधिकारियों ने यह पुष्टि करने से इनकार किया है कि वास्तव में कॉल किए गए थे या नहीं। हालांकि ट्रंप ने बीते चार महीनों में बार-बार यह दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित परमाणु युद्ध को रोका। लेकिन हर बार उन्होंने घटनाओं की समयरेखा और विमानों की संख्या को बदलते हुए पेश किया। वॉशिंगटन के विश्लेषकों ने इन दावों को बढ़ा-चढ़ाकर कही गई बातें बताया और कहा कि ट्रंप खुद को शांति निमार्ता साबित करने की कोशिश कर रहे हैं।

पगड़ी बांधकर कोर्ट पहुंचा दीनू गैंग का इनामी बदमाश दीपक जादौन

» सरदार के भेष में किया सरेंडर, पुलिस रह गई चकमा खाकर

50 हजार का इनामी, जमीन कब्जा और रंगदारी समेत कई मामलों में वांछित

पुलिस हिरासत में अरिदमन सिंह

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। दीनू गैंग का कुख्यात सदस्य और 50 हजार का इनामी दीपक जादौन मंगलवार को नाटकीय अंदाज में कोर्ट में आत्मसमर्पण कर गया। पुलिस की नजरों से बचने के लिए उसने सरदार का भेष धारण किया और सिख की पगड़ी पहनकर अदालत पहुंचा। पुलिस उसकी तलाश में लंबे समय से जुटी हुई थी। उसके खिलाफ कोर्ट द्वारा उद्घोषणा नोटिस चस्पा किया जा चुका था और संपत्ति कुर्की की तैयारी भी चल रही थी। लेकिन पुलिस की तमाम कोशिशों के बावजूद दीपक गिरफ्त से बाहर रहा। अचानक सरेंडर करने का उसका तरीका पुलिस और वकीलों को हैरान कर गया।

बताया जा रहा है कि वह अपने अधिवक्ता जितेंद्र कुमार के साथ एसीजे जूनियर डिवीजन-4 मनीषा गुप्ता की अदालत में पहुंचा और खुलकर आत्मसमर्पण कर दिया। इस दौरान अदालती परिसर में मौजूद किसी भी पुलिसकर्मी को शक तक नहीं हुआ कि यह वही इनामी बदमाश है, जिसकी तलाश में पुलिस की टीमें शहरभर में दबिश दे रही थीं।

नौबस्ता थाना क्षेत्र के यशोदा नगर निवासी दीपक जादौन को दीनू उपाध्याय का खास गुर्गा माना जाता है। दीनू के साथ मिलकर उसने जमीन कब्जा, अपहरण और रंगदारी के कई मामले अंजाम दिए हैं। दीनू की गिरफ्तारी के बाद से ही दीपक फरार चल रहा था और लगातार पुलिस को चकमा देता रहा। पुलिस सूत्रों के मुताबिक गैंग के संरक्षण में रहते हुए दीपक ने कई प्रभावशाली लोगों से गठजोड़ भी बना रखा था। सरेंडर से पहले दीपक ने कई जगह ठिकाने बदलकर खुद को बचाए रखा। लेकिन जब कुर्की की कार्यवाही शुरू होने वाली थी, तब उसने सरेंडर का रास्ता चुना। कोर्ट में सरेंडर के बाद पुलिसकर्मियों को जब हकीकत पता चली, तो वे भी सकते में रह गए कि इनामी बदमाश इतनी आसानी से उनकी आंखों के सामने होकर भी उनकी पकड़ से बाहर कैसे रहा।

अधिवक्ता अरिदमन की जमानत खारिज

उधर, दीनू गैंग के ही एक अन्य इनामी सदस्य और बार एसोसिएशन के पूर्व मंत्री अधिवक्ता अरिदमन सिंह को कोर्ट ने न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। 50 हजार के इनामी अरिदमन पर अपहरण, रंगदारी वसूलने और डकैती जैसे गंभीर आरोप दर्ज हैं।

पुलिस विवेचना में उसका नाम दीनू गैंग के अन्य सक्रिय सदस्यों के साथ सामने आया था। गुरुवार को कोतवाली पुलिस ने उसे बहराइच के रुपईडीहा से गिरफ्तार किया और अदालत में पेश किया।

वहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। अदालत में पेशी के दौरान अरिदमन ने खुद को गंभीर बीमारी से ग्रसित बताते हुए दया की अपील की। उसने कोर्ट को बताया कि वह लिवर सिरोसिस से पीड़ित है और डॉक्टर ने तत्काल लिवर प्रत्यारोपण की सलाह दी है। उसने यह भी कहा कि जेल में उसे संक्रमण का खतरा रहेगा, इसलिए उसे किसी उच्च चिकित्सा संस्थान में इलाज की सुविधा दी जाए और जमानत प्रदान की जाए।

हालांकि अभियोजन पक्ष ने जमानत का कड़ा विरोध किया। सरकारी वकील ने दलील दी कि अरिदमन पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह समाज के लिए खतरनाक है। ऐसे अपराधी को बीमारी के नाम पर राहत देना न्यायहित के खिलाफ होगा। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सूरज मिश्रा की अदालत ने भी अभियोजन की दलीलों से सहमति जताते हुए जमानत अर्जी खारिज कर दी। साथ ही अदालत ने जेल अधीक्षक को आदेश दिया कि अरिदमन के स्वास्थ्य का परीक्षण विशेषज्ञ चिकित्सकों से कराया जाए और यदि आवश्यक हो तो उसे किसी बड़े अस्पताल में इलाज के लिए भेजा जाए। अदालत के इस आदेश के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली, क्योंकि लंबे समय से फरार चल रहे इनामी अपराधियों पर शिकंजा कसने में कानपुर पुलिस को लगातार सफलता मिल रही है।

गलत अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट बनाकर ठगी करने वाली पैथोलॉजी बेनकाब

» मिसप्रिंट के नाम पर गड़बड़ी छिपाने का खेल, पैथोलॉजी सेंटर सवालों के घेरे में

» गलत अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट से मरीज की जान पर खतरा, पैथोलॉजी पर कार्रवाई की मांग

प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। सिटी अल्ट्रासाउंड एक्स-रे एंड पैथोलॉजी पर एक गंभीर आरोप लगा है कि उसने एक ही मरीज की दो अलग-अलग रिपोर्ट जारी कीं। बर्रा-2 निवासी अमनदीप सिंह ने 24 अगस्त को अपनी माता का अल्ट्रासाउंड कराया। रिपोर्ट में लिखा गया कि गॉल ब्लैडर में 4 मिमी और 6 मिमी की पथरी है, जबकि हकीकत यह थी कि मरीज का गॉल ब्लैडर 17 माह पहले गुरु तेगबहादुर हॉस्पिटल, कानपुर में डॉ. मिलन सचान द्वारा ऑपरेशन कर हटाया जा चुका था।गलत रिपोर्ट देखकर डॉक्टर ने मरीज को दोबारा ऑपरेशन की सलाह दी, जिससे वह मानसिक और शारीरिक तौर पर और गंभीर अवस्था में पहुंच गईं। पीड़ित का कहना है कि रिपोर्ट पर आंख बंद करके इलाज करने वाले डॉक्टर और संस्थान दोनों ही मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

मिसप्रिंट का बहाना, पैसे लौटाकर मामला दबाने की कोशिश

पीड़ित जब रिपोर्ट की ग़लती लेकर दोबारा संस्थान पहुंचा तो लगभग दो घंटे के इंतजार के बाद डॉक्टर ने दूसरी रिपोर्ट जारी की और कहा कि पहले वाली रिपोर्ट मिसप्रिंट हो गई थी। यह सुनकर पीड़ित भड़क उठा और लापरवाही पर सवाल खड़े किए। आरोप है कि पैथोलॉजी स्टाफ ने गलती छिपाने के लिए दूसरी रिपोर्ट का शुल्क नहीं लिया और पहली रिपोर्ट का पैसा लौटाने की कोशिश की।अमनदीप सिंह का कहना है कि विरोध करने पर स्टाफ ने यहां तक कह दिया जो करना हो कर लो, हमारी शिकायतों से कुछ नहीं बिगड़ेगा। पीड़ित ने मुख्य चिकित्साधिकारी, कानपुर नगर को शिकायत पत्र देकर संस्थान का लाइसेंस निरस्त करने और जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि इस तरह की मनमानी पर लगाम नहीं लगी तो आमजन का भरोसा पूरी तरह से चिकित्सा व्यवस्था से उठ जाएगा।

जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने में लापरवाही से नाराज मेयर

» मेयर प्रमिला पांडेय ने मीटिंग में सख्ती के बाद कहा कि अब जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र समय पर मिलेंगे

» नगर निगम ने भी बनाई सख्त कार्ययोजना

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नगर निगम मुख्यालय स्थित समिति कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता महापौर प्रमिला पांडेय एवं नगर आयुक्त ने संयुक्त रूप से की। बैठक का मुख्य एजेंडा नागरिकों की सबसे आम और गंभीर शिकायत - जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्रों के निर्गमन में देरी व अनियमितताओं - पर केंद्रित रहा।महापौर ने बैठक में कहा कि नगर निगम को मिलने वाली सबसे ज्यादा शिकायतें जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्रों से जुड़ी होती हैं।

उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि अब इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आम जनता को समय पर प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना नगर निगम की पहली प्राथमिकता होगी।

पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोरः सुधीर कुमार

नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने कहा कि सभी आवेदन ऑनलाइन दर्ज किए जाएंगे, जिससे पारदर्शिता बनी रहेगी और रिकॉर्ड व्यवस्थित होगा। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि—

एक वर्ष से अधिक पुराने प्रकरणों की सूची प्रति सप्ताह दो बार अपर नगर मजिस्ट्रेट स्तर पर भेजी जाए। सभी जोनल अधिकारी साप्ताहिक रिपोर्ट प्रस्तुत करें, जिसमें बताया जाए कि कितने आवेदन प्राप्त हुए, कितने प्रमाण पत्र बनाए गए

और कितने लंबित हैं।यदि प्रमाण पत्र तय समय सीमा में जारी होंगे तो नागरिकों को परेशानी नहीं होगी और अनियमितताओं की शिकायतें भी समाप्त हो जाएंगी।

बैठक में शामिल हुए अधिकारी

बैठक में अपर नगर आयुक्त मो. अवेश, जगदीश यादव, जोन-1 के विद्या सागर यादव, जोन-2 के विजय कुमार, जोन-3 के सी.पी. सिंह, जोन-4 के राजेश सिंह, जोन-5 के अनुपम त्रिपाठी, जोन-6 के रवि शंकर यादव समेत नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर निगम की इस कार्ययोजना से आम जनता को समय पर जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र मिलने में बड़ी राहत मिलेगी। अब लोगों को महीनों तक चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और प्रक्रिया अधिक पारदर्शी तथा जवाबदेह बनेगी।

नगर निगम का यह कदम न केवल शिकायतों को कम करेगा बल्कि नागरिकों का भरोसा भी मजबूत करेगा।

नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने बैठक में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए

1. 21 दिन के भीतर दर्ज जन्म-मृत्यु मामलों के प्रमाण पत्र 24 घंटे के भीतर निर्गत किए जाएं।
2. 21 दिन से 1 वर्ष तक पुराने मामलों के प्रमाण पत्र 4-5 दिनों में जारी किए जाएं।
3. 1 वर्ष से अधिक पुराने मामलों के प्रमाण पत्र 10-15 दिनों में जारी किए जाएं।
4. सभी जोनों में सूचना बोर्ड लगाए जाएं, जिन पर आवश्यक दस्तावेजों की सूची दी जाए। साथ ही, संबंधित जोनल अधिकारी का मोबाइल नंबर भी अंकित होगा, ताकि यदि कोई अतिरिक्त दस्तावेज मांगे जाएं तो नागरिक सीधे अधिकारी से संपर्क कर सकें।

दहेज उत्पीड़न में पति और ससुरालियों पर एफआईआर

बहू बोली गला दबाकर मार डालना चाहते थे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न का सनसनीखेज मामला उजागर हुआ है। ग्राम सुभानपुर मुरादनगर निवासी अंजुमन आरा ने पति और ससुराल पक्ष पर कार और दो लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर जानलेवा हमला करने का गंभीर आरोप लगाया है। एसीपी बिल्हौर अमर नाथ के निर्देश पर इंस्पेक्टर अशोक कुमार सरोज ने सात लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है।

पीड़िता का कहना है कि निकाह के वक्त मायके पक्ष से क्षमता से अधिक दहेज दिया गया, फिर भी पति साजिद और परिजन लगातार कार व नकदी की मांग करते रहे। आरोप है कि 7 मई की रात पति, सास, जेठ-जेठानी और ननद ने मिलकर गाली-गलौज व मारपीट की। यहां तक कि गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की गई। शोरगुल सुनकर किसी तरह घर से बाहर निकली तो आरोपितों ने धमकी दी कि दहेज न दिया तो अंजाम भुगतना पड़ेगा।

पीड़िता अंजुमन आरा की तहरीर पर पुलिस ने पति साजिद, सास रसूलन, जेठ खालिद, जेठानी मल्का, ननद अफसाना, जेठानी सीना और जेठ तारिक के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट और जान से मारने की धमकी की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि जांच शुरू कर दी गई है और दोषियों पर जल्द सख्त कार्रवाई की जाएगी।

» एसीपी के निर्देश पर इंस्पेक्टर ने दर्ज किया केस, सात नामजद आरोपी

चौबेपुर में चोरों का हड़कंप महिला समेत 3 संदिग्ध दबोचे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

चौबेपुर, बिल्हौर (कानपुर)। चौबेपुर थाना क्षेत्र के तमसाहा गांव में मंगलवार रात उस समय हड़कंप मच गया जब ग्रामीणों ने संदिग्ध हालात में घूम रहे तीन अजनबियों को दबोच लिया। पकड़े गए लोगों में एक महिला भी शामिल बताई जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में पिछले कई दिनों से चोरी की आशंका बनी हुई थी। इसी को लेकर वे रात में लाठी-डंडों से लैस होकर गश्त कर रहे थे। देर रात अंडरपास के पास तीन संदिग्ध घूमते दिखाई दिए। शक गहराने पर ग्रामीणों ने उन्हें पकड़ लिया और तुरंत पुलिस को खबर दी।सूचना पर पहुँची चौबेपुर पुलिस तीनों को हिरासत में लेकर थाने ले आई। पुलिस का कहना है कि पकड़े गए लोगों से गहन पूछताछ की जा रही है और उनका आपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है।

» क्षेत्र में पिछले कई दिनों से चोरी की आशंका बनी हुई थी

» रात में लाठी-डंडों से लैस होकर गश्त कर रहे थे ग्रामीण

सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट, युवक हिरासत में

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक चैट ने मंगलवार को कस्बे में तनाव का माहौल खड़ा कर दिया। मामला मकनपुर के अरबाज पुत्र अवेज आलम से जुड़ा है, जिसने अपने दोस्त गूजेपुर निवासी हिमांशु प्रजापति के साथ हुई बातचीत में शिवलिंग और प्रधानमंत्री को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। चैट के स्क्रीनशॉट वायरल होते ही स्थानीय लोगों में रोष फैल गया। सूचना मिलते ही अरौल पुलिस हरकत में आ गई और आरोपी अरबाज को हिरासत में ले लिया। थानाध्यक्ष जनार्दन सिंह यादव ने बताया कि युवक के खिलाफ 299 बीएनएस और 66 आईटी एक्ट में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। ऐसे मामलों में लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

» अरौल पुलिस ने तेजी दिखाकर आरोपी को दबोचा

श्रद्धांजलि सभा

अतिथि बोले बाबू जी के शिक्षा के क्षेत्र में योगदान को कोई नहीं भूल सकता

19 वीं पुण्यतिथि पर शिक्षाविद स्व. उमाशंकर कटियार को याद किया गया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। मां शीतला देवी त्रिजुगी नारायण पीजी कॉलेज अरौल कानपुर नगर के संस्थापक प्रबंधक यशकायी उमाशंकर कटियार की 17वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन महाविद्यालय में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व संस्थान के प्रबंध निदेशक सर्वेश कुमार कटियार ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व चेयरमैन बिल्हौर निर्भय सिंह, पूर्व ब्लॉक प्रमुख अशोक कटियार, प्रबंधक शिव सिंह कटियार, वैभव कटियार और वरुण कटियार रहे। अतिथियों ने कहा कि बाबू उमाशंकर कटियार का शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान रहा है। हम उन्हें कभी नहीं भूल सकते। कार्यक्रम का संयोजन आलोक तिवारी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय में शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान करने वाले मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया गया। एम0ए0 शिक्षाशास्त्र की छात्रा प्रगति कटियार, गृह विज्ञान की छात्रा अल्का, राजनीति विज्ञान की छात्रा अलीशा, अर्थशास्त्र की छात्रा प्रज्ञा, एमएससी रसायन विज्ञान की छात्रा मोनी कटियार, भौतिक विज्ञान की छात्रा आफरीन बेग, जन्तु विज्ञान की छात्रा आस्था कटियार, गणित विषय की छात्रा रूपाली एवं बीएससी की छात्रा उपासना, बी0ए0 की छात्रा फैजी नाज, सिमरन शर्मा, बी0एड0 की छात्रा मरियम जाफरी, राहुल यादव, बीटीसी की छात्रा अंजलि, मानसी को उत्कृष्ट योगदान करने के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 आशुतोष सिंह भदोरिया ने बाबू उमाशंकर कटियार के प्रखर समाजसेवी व शिक्षा के क्षेत्र में योगदान पर विस्तार से जानकारी दी। प्रबंधक शिव सिंह कटियार ने बताया कि शहीदों के बच्चों को निशुल्क शिक्षा की व्यवस्था हमारे महाविद्यालय में उपलब्ध है।

शिक्षाविद उमाशंकर कटियार को श्रद्धांजलि देते संस्थान के निदेशक ।

कॉलेज के मेधावी बच्चों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

सम्पादकीय

संतुलित व दीर्घकालिक दृष्टिकोण की जरूरत

यूं तो देश में आवारा कुत्तों के संकट को लेकर गाहे-बगाहे सवाल उठते रहे हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के दिल्ली के आवारा कुत्तों को लेकर आए सख्त निर्देश ने इस बहस को नया मोड़ दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार व स्थानीय निकायों से कहा है कि सभी आवारा कुत्तों को आठ सप्ताह के भीतर आश्रय स्थलों में स्थानांतरित किया जाए। हालांकि, समस्या की व्यावहारिक दिक्कतों को लेकर कई यक्ष प्रश्न हैं क्योंकि फिलहाल कुत्तों के लिये ऐसे आश्रय स्थल उपलब्ध नहीं हैं। निस्संदेह, जन सुरक्षा की चिंताएं अपनी जगह जायज हैं। बताते हैं कि दिल्ली में रोजाना 2000 तक कुत्ते के काटने की घटनाएं होती हैं। साथ ही रेबीज़ के मामले भी बढ़ रहे हैं। लेकिन इस बड़ी समस्या का समाधान सिर्फ प्रतिक्रियात्मक नहीं होना चाहिए। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल देशभर में कुत्तों के द्वारा काटने के बाइस लाख मामले सामने आए हैं। निस्संदेह, यह एक जटिल चुनौती है और इसके समाधान के लिये एक दीर्घकालिक, तार्किक व परामर्शी रणनीति की आवश्यकता है। इस अभियान में नगर निकाय, पशु चिकित्सक, पशु कल्याण से जुड़े संगठनों और स्थानीय लोगों की भागीदारी जरूरी है। निर्विवाद रूप से इस संकट के मूल में असली समस्या खराब शहरी नियोजन,पशु जन्म नियंत्रण यानी एबीसी तथा टीकाकरण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन से जुड़ी खामियों की है। देश के शहरों, कस्बों और गांवों के कूड़े के ढेर खुले बूचड़खानों के कचरे से भरे रहते हैं। जहां आवारा कुत्तों की आबादी फल-फूल रही है। नगर निकायों द्वारा वर्षों से चलाए जा रहे नसबंदी अभियान और रेबीज़-रोधी टीकाकरण अभियान इन आवारा कुत्तों की संख्या को कम करने में विफल रहे हैं। निर्विवाद रूप से इस मद के लिये पर्याप्त बजट न होना और कर्मचारियों की कमी इन प्रयासों में बाधा डालती रही है। इस बीच सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने को लेकर आए दिन टकराव देखा जाता रहा है।

दर्शाया गया है। यहां तक कि श्राद्ध के अवसर पर गाय, कौवे व कुत्ते के लिये अन्न ग्रास निकाला जाता है। सदियों से मनुष्य के अंग-संग कुत्ता रहा है। कहा जाता है कि पांडवों के स्वर्गारोहण के वक्त उनके साथ एक श्वान चला था। लेकिन आज शहरों में फ्लैट संस्कृति में पालतू जानवरों की भूमिका खत्म होने से वे सड़कों पर आ गए। यहां सवाल उनके आक्रामक होने पर भी हैं। दरअसल, आम लोग मांसाहारी भोजन के अवशेष कचरे में फेंक देते हैं, जिससे उनमें आक्रामकता आती है। वहीं जानवरों में असुरक्षाबोध भी उन्हें आक्रामक बना देता है।

देश में जरूरी सद्भाव की सोच का सम्मान

प्रदीप शर्मा

खेल में जीत के लिए निजी कौशल के साथ टीम भावना आवश्यक होती है। सौहार्द व एकजुटता यादगार भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज़ में देखने को मिली। जिसका प्रतीक था, प्रसिद्ध कृष्णा , मोहम्मद सिराज और शुभमन गिल जीत के बाद साथ-साथ...

खेल में जीत के लिए निजी कौशल के साथ टीम भावना आवश्यक होती है। सौहार्द व एकजुटता यादगार भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज़ में देखने को मिली। जिसका प्रतीक था, प्रसिद्ध कृष्णा , मोहम्मद सिराज और शुभमन गिल जीत के बाद साथ-साथ चलना। इसमें मोहम्मद सिराज का प्रदर्शन और जज्बा काबिले तारीफ हैं। हम साथ खेल सकते हैं, दुख-सुख बांट सकते हैं तो रह भी सकते हैं

खेल और युद्ध के बीच इस काफी जायज एवं विचारोत्तेजक समरूपता की खोज करते वक्त, हम खेल के एक अन्य बहुत बुनियादी पहलू को भूल जाते हैं। वो यह कि एक टीम के रूप में काम करने के लिए, वह जो जीत का लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त कर ले, आपको निजी कौशल के साथ-साथ टीम भावना की भी उतनी ही आवश्यकता होती है, बार-बार दोहराया जाने वाला यह शब्द वास्तव में जीत और हार के बीच अंतर बना देता है। सामंजस्य, सद्भाव, एकजुटता और एक इकाई के रूप में खेलना, ये शब्द उस कट्टर संशयवादी को गूढ़ लग सकते हैं, जो एक ऐसी दुनिया में रमा हुआ है, जिसको वह केवल अपनी, अपनी संस्कृति और धर्म के लिए ही बनी मानता है। हालांकि, वास्तविक दुनिया में, चाहे वह खेल का मैदान हो या जीवन को कोई भी क्षेत्र, हमारा वजूद इसलिए है क्योंकि हम साथ-साथ रहते हैं और एक-दूजे पर किसी पहचान विशेष का चिन्ह देखकर नहीं, बल्कि इंसान के तौर पर निर्भर हैं।एकजुटता, सामंजस्य और सद्भाव की इस भावना को क्रिकेट जैसे खेल से ज्यादा बेहतर और कोई नहीं दर्शाता, और यह हमें हालिया भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज़ में देखने को मिली, जो खेल जगत का अस्तित्व कायम रहने तक याद रखी जाएगी। गोलीबारी विहीन इस 'युद्ध' में, जहां ऋषभ पंत पैर में फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी करने उतरे वहीं क्रिस वोक्स ने स्वेटर के तले अपने उतरे हुए कंधे को बांधकर, एक हाथ में बल्ला पकड़कर खेलने की हिम्मत दिखाई। कहा जाए तो, यह दोनों अपनी-अपनी टीमों के लिए मर-मिटने को तैयार थे। अत्यधिक शारीरिक दमखम की मांग करने वाली इस 25 दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में, एक शख्स, मोहम्मद सिराज, अपनी अद्भुत ऊर्जा, सहनशक्ति, लचीलेपन, दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास, अद्भुत कौशल एवं अपनी खेल कला पर नियंत्रण की वजह से सबसे अलग नज़र आए। जब भी भारत को स्थिति पर काबू बनाने की ज़रूरत होती, वह मौजूद थे। जब भी भारत को विकेटों की ज़रूरत होती, वह मौजूद थे। जब भी भारत को किसी जादू की ज़रूरत होती, वह मौजूद थे। तेज़ गेंदबाज़ी करने के लिए ताकत चाहिए होती है। और इस गति पर गेंद को स्विंग करने के लिए कौशल। लाइन और लेंथ पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए सालों-साल के अभ्यास की ज़रूरत होती है। और इन 25 दिनों में, जब आपके साथी ड्रेसिंग रूम में अपना-अपना शरीर संभालने को मजबूर थे, कुछ की हड्डियां चटखी पड़ी हों और कुछ की मांसपेशियों में खिंचाव हो, तब सिराज 'वन मैन आर्मी' की तरह खड़े रहे।

अपराधियों से पहले अफवाहों पर लगे अंकुश

ड्रोन की दहशत

रमेश ठाकुर

उ.प्र.शासन ने निर्णय लिया है कि ड्रोन के ज़रिए डर पैदा करने या ग़लत सूचना फैलाने वालों पर गैंगस्टर एक्ट और एनएसए के तहत कार्रवाई की जाएगी। लेकिन, शासकीय चेतावनी के बाद भी ड्रोन उड़ने की चर्चा लगातार जारी है।'ड्रोन गिरोह' की अफवाहों से कई राज्यों में दहशत की स्थिति बनी हुई है। प्रभावित दो-तीन राज्यों में कथित ड्रोन चोरों से लोग इतने भयभीत हैं कि रातों में जाग-जाग कर अपने घरों और परिजनों की पहरेदारी कर रहे हैं। डरे हुए लोग 'ड्रोन चोरों' को 'आसमानी चोर' कहने लगे हैं। आकाश में रात के वक्त सैकड़ों फुट ऊंचाई पर मंडराते कथित रहस्यमय ड्रोनों से सन्नाटा इस कदर फैला है कि पत्तों की सरसराहट या झींगुरों की भिनभिनाहट मात्र से भी लोग डर जाते हैं। बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पुलिस महकमा भी अलर्ट मोड पर है। रात में जायजा लेने को पुलिस-प्रशासन के आला अफसर भी ग्राउंड ज़ीरो पर उतरे हुए हैं।

दरअसल, अफवाह ग्रामीणों की नासमझी से ज्यादा फैल रही है। ड्रोन दिखाई पड़ने पर वह पुलिस से संपर्क करने के बजाय सोशल मीडिया पर अनाप-शनाप गलत सूचनाएं फैला देते हैं, जिससे स्थिति विकट हो रही है। हालांकि, ऐसे लोगों पर पुलिस सख्ती भी दिखा रही है।पिछले दो सालों से 'स्वामित्व योजना' के तहत केंद्र सरकार ग्रामीण भूमि का सर्वेक्षण भी ड्रोनों से करवा रही है। योजना मार्च-2026 तक पूरी होनी है। करीब 3 लाख 44 हजार गांवों का सर्वेक्षण होना है। इसके पीछे सरकार का मकसद ग्रामीण संपत्ति के मालिकों को उनकी संपत्ति का मास्टर कार्ड वितरण करना है। करीब 92 फीसदी कार्य 'ड्रोन मैपिंग' से पूरा हो चुका है, जिसमें 31 राज्य और केंद्रशासित प्रदेश शामिल हैं। सवाल उठता है क्या इस वक्त जो ड्रोन उड़ रहे हैं, वो इसी योजना का हिस्सा हैं? हालांकि अभी तक कोई तथ्यात्मक सच्चाई बाहर नहीं निकल पाई।प्रथम दृष्टया प्रशासन ने ड्रोन घटनाओं को अफवाह ही माना है। कहीं ड्रोन की घटनाओं के पीछे कोई ऐसी हकीकत तो नहीं छिपी जिसे शासन-प्रशासन और सुरक्षा महकमा सार्वजनिक न करना चाहता हो? राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ा तो कोई मसला नहीं? सच्चाई के असल नतीजों तक अभी कोई नहीं पहुंच पाया। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के अनेक जिलों में इस समय ड्रोन लुटेरों की ही चर्चाएं हैं।

धीरे-धीरे ये दहशत अब अन्य राज्यों में भी फैलती जा रही है। बिहार के सासाराम और मध्यप्रदेश के गुना जिले में भी ड्रोन उड़ते देखे गए हैं। अफवाहें हैं कि चोर रात्रि में घरों का ड्रोन से सर्वेक्षण करते हैं और अगली रात धावा बोलते हैं। एकाध घटनाएं घटी भी हैं, लेकिन उन घटनाओं से कोई हकीकत सिद्ध नहीं हुई। पुलिस-प्रशासन दोनों भी इस अनसुलझी पहेली में उलझे हुए हैं। प्रशासनिक स्तर पर ड्रोन की घटनाएं बेशक अफवाह बताई ।

SWACHH SURVEKSHAN
#Mera Shahar, Meri Pehchan 2023

Ministry of Housing and Urban Affairs

श्री ए० के० शर्मा, नगर विकास मंत्री

श्रीमती प्रमिला पाण्डेय, महापौर

नगर निगम कानपुर

आइए! मिलकर स्वच्छता के प्रति कदम बढ़ाए, अपने कानपुर नगर को स्वच्छ बनाएं।

नगर की सफ़ाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में हमे चाहिए आपका सहयोग।
इसी क्रम में हम आपसे अपील करते है कि

- अपने घर के कूड़े को प्रथक-प्रथक करके नगर निगम द्वारा संचालित डोर टू डोर कूड़ा गाड़ी में ही डालें।
- सड़क पर कूड़ा न फेंके।
- आस पास साफ सफाई रखें, कूड़ा कूड़ेदान में ही डालें।
- प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करें।
- Reduse, Reuse, Recycle की अवधारणा को अपने जीवन में आदत के रूप में ढालें।
- कानपुर नगर को साफ व स्वच्छ बनाने में कानपुर नगर निगम का सहयोग करें।

/KANPUR MUNICIPAL CORPORATION

श्री सुधीर कुमार (आईएएस) नगर आयुक्त

लापरवाही या सौदेबाजी: 100 गज में तानी 5 मंजिल इमारत

» केडीए की सख्ती के बावजूद जारी कई अवैध निर्माण, सील तोड़कर खड़ा हो रहा 5 मंजिला मकान

चष्ट ने सील किया था परिसर मालिक ने तोड़ दी सील

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) के उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्यांयाल की सख्ती और लगातार चेतावनियों के बावजूद शहर में मानक और नक्शे के विपरीत अवैध निर्माण धड़ल्ले से जारी हैं। इन निर्माणों से न केवल शहर की खूबसूरती और यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि कभी भी बड़ा हादसा होने का खतरा मंडरा रहा है।ताजा मामला केडीए जोन-1 के सीसामऊ स्थित गांधी नगर, लक्ष्मण पार्क (मकान संख्या 106/197-B) का है। यहां सुरेंद्र तिवारी नामक व्यक्ति द्वारा पूरी तरह अवैध 5 मंजिला इमारत खड़ी की जा रही है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस भवन का निर्माण 3 फुट फुटपाथ पर कब्जा कर अतिक्रमण करते हुए और सभी मानकों को ताक पर रखकर किया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, केडीए उपाध्यक्ष ने 17 जुलाई 2025 को इस भवन को सील कर ध्वस्तीकरण के आदेश दिए थे। उसी दिन प्रवर्तन विभाग ने मौके पर पहुंचकर भवन को सील भी कर दिया। लेकिन कर्मचारियों के जाते ही भवन मालिक सुरेंद्र तिवारी और उसके चार मौसेरे भाइयों ने सील तोड़ दी और दोबारा अवैध निर्माण शुरू कर दिया, जो आज तक जारी है।

एफआईआर के आदेश भी ठंडे बस्ते में

KDA ने मामले को गंभीरता से लेते हुए 21 जुलाई 2025 को सीसामऊ थाने में भवन मालिक के खिलाफ सील तोड़कर अवैध निर्माण करने की एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए। लेकिन एक माह बीत जाने के बाद भी न तो एफआईआर दर्ज हुई और न ही किसी स्तर पर कार्रवाई हुई।

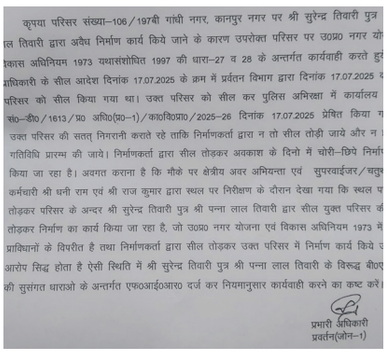

गौरतलब है कि इसी भवन की शिकायत पहले भी की जा चुकी है। जन सुनवाई संख्या 50016425000330 (दिनांक 28/3/25) और वाद संख्या KDA/NI/2023/0003398 का.वि.प्रा. बनाम सुरेंद्र तिवारी प्राधिकरण के न्यायालय में विचाराधीन है। बावजूद इसके, सुरेंद्र तिवारी अपनी ऊँची पहुँच और धनबल का इस्तेमाल कर KD और पुलिस अधिकारियों को शांत कराने में

कृपया परिसर संख्या–106/197बी गांधी नगर, कानपुर नगर पर श्री सुरेन्द्र तिवारी पुत्र
ल तिवारी द्वारा अवैध निर्माण कार्य किये जाने के कारण उपरोक्त परिसर पर उ0प्र0 नगर यो
वेकास अधिनियम 1973 यथासंशोधित 1997 की धारा–27 व 28 के अन्तर्गत कार्यवाही करते हु
प्राधिकारी के सील आदेश दिनांक 17.07.2025 के क्रम में प्रर्वतन विभाग द्वारा दिनांक 17.07.2025 व
परिसर को सील किया गया था। उक्त परिसर को सील कर पुलिस अभिरक्षा में कार्यालय
सं0–डी0/1613/प्र0 अधि0(प्र0–1)/का0वि0प्रा0/2025–26 दिनांक 17.07.2025 प्रेषित किया ग
उक्त परिसर की सतत् निगरानी कराते रहे ताकि निर्माणकर्ता द्वारा न तो सील तोड़ी जाये और न
गतिविधि प्रारम्भ की जाये। निर्माणकर्ता द्वारा सील तोड़कर अवकाश के दिनो में चोरी–छिपे निर्मा
किया जा रहा है। अवगत कराना है कि मौके पर क्षेत्रीय अवर अभियन्ता एवं सुपरवाईजर/चतु
कर्मचारी श्री धनी राम एवं श्री राज कुमार द्वारा स्थल पर निरीक्षण के दौरान देखा गया कि स्थल प
तोड़कर परिसर के अन्दर श्री सुरेन्द्र तिवारी पुत्र श्री पन्ना लाल तिवारी द्वार सील युक्त परिसर क
तोड़कर निर्माण का कार्य किया जा रहा है, जो उ0प्र0 नगर योजना एवं विकास अधिनियम 1973 में
प्राविधानों के विपरीत है तथा निर्माणकर्ता द्वारा सील तोड़कर उक्त परिसर में निर्माण कार्य किये
आरोप सिद्ध होता है ऐसी स्थिति में श्री सुरेन्द्र तिवारी पुत्र श्री पन्ना लाल तिवारी के विरूद्ध बी0ए
की सुसंगत धाराओ के अन्तर्गत एफ0आई0आर0 दर्ज कर नियमानुसार कार्यवाही करने का कष्ट करें।

प्रभारी अधिकारी
प्रवर्तन(जोन–1)

कामयाब हो जाता है।

केडीए प्रशासन चुप, जनता खौफ में

इलाके के लोगों का कहना है कि चष्ट और पुलिस प्रशासन मानकों के विपरीत हो रहे इस अवैध निर्माण को लेकर लापरवाह है और लगता है मानो वह किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हों। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो इस बहुमंजिला इमारत से कभी भी जान-माल का नुकसान हो सकता है।

स्थानीय नागरिकों और शिकायतकर्ताओं की ओर से साफ-साफ कहा जा रहा है कि– प्रशासन और केडीए अगर ईमानदारी से कार्रवाई करें, तो यह अवैध इमारत एक दिन भी खड़ी नहीं

शिकायतकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई अवैध निर्माण की फोटो

रह सकती। हमारी विनती है कि किसी अनहोनी से पहले भवन मालिक और संबंधित अधिकारियों पर कठोरतम कार्रवाई की जाए। इस मामले में सचिव अभय पांडे ने कहा कि जांच कर सख्त

कानपुर-कासगंज रेलवे ट्रैक पर बड़ा हादसा टला

» पैसेंजर ट्रेन से टकराई लकड़ी की बेंच, समय रहते बची सैकड़ों यात्रियों की जान

» एलपीजी सिलिंडर के बाद अब नई साजिश, जीआरपी ने जांच तेज की

प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर-कासगंज रेलवे लाइन पर सोमवार की देर रात एक बड़ा हादसा टल गया। शरारती तत्वों ने ट्रैक के बीचों-बीच लकड़ी की बेंच रख दी, जिससे गुजर रही पैसेंजर ट्रेन टकरा गई। घटना चौबेपुर और शिवराजपुर के बीच देदुपुर अंडरपास के पास रात करीब 11:50 बजे की है। टक्कर के बाद तेज आवाज सुनकर लोको पायलट ने तत्काल ट्रेन रोक दी और स्टेशन मास्टर को सूचना दी। मौके पर जीआरपी व रेलवे सेक्शन की टीम पहुंची और ट्रैक से टूटी हुई बेंच हटाई। समय रहते ट्रेन रुक जाने से सैकड़ों यात्रियों की जान बच गई। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई और रेलवे सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ गई।

जांच में सामने आया है कि ट्रैक पर

रखी बेंच पास के एक शराब ठेके की थी, जो रात में बाहर पड़ी रहती है। पुलिस ने घटना को गंभीर मानते हुए जूनियर इंजीनियर पंकज गुप्ता की तहरीर पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपियों पर ट्रेन पलटाने और जान-माल की हानि पहुंचाने की साजिश रचने की धाराओं में केस दर्ज हुआ है। चौबेपुर थाना प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले की गहन छानबीन जारी है और जीआरपी-आरपीएफ की संयुक्त टीमें निगरानी बढ़ा दी गई है।

दोहराई गई साजिश ने बढ़ाई चिंता

सिलिंडर, पेट्रोल बम और बारूद मिलने से उजागर हुई थी बड़ी योजना यह कोई पहली घटना नहीं है जब इस रेलवे लाइन पर हादसा कराने की साजिश रची गई हो। इससे पहले सितंबर 2024 में बिल्हौर स्टेशन के पास भी कालिंदी एक्सप्रेस को पलटाने की कोशिश की गई थी। उस समय ट्रैक पर एलपीजी सिलिंडर रखा गया था, साथ ही पास में पेट्रोल बम और बारूद भी बरामद हुआ था। रेलवे ने इसे बड़ा षड्यंत्र मानते हुए जांच शुरू की थी, लेकिन अब तक पुलिस किसी को गिरफ्तार नहीं कर पाई। ताजा वारदात ने एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यात्रियों में दहशत का माहौल है और लोग रेलवे की सुरक्षा तैयारियों पर चिंता जता रहे हैं।

माँ काली का दिव्य दरबार में भंडारे का आयोजन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। माँ काली का दिव्य दरबार श्री ममतामयी मंडल कंचन नगर ए शुक्लागंज द्वारा श्रद्धा और भक्ति भाव से भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। आयोजन में क्षेत्र भर से भारी संख्या में भक्तजन एकत्रित हुए। माँ काली के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। भक्तों ने मंदिर में माथा टेककर आशीर्वाद लिया और प्रसाद ग्रहण कर अपनी आस्था व्यक्त की।भंडारे में राजमा-चावल का प्रसाद वितरित किया गया जिसे श्रद्धालुओं ने बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ ग्रहण किया। भक्तों का कहना था कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज को जोड़ते हैं और भक्ति के वातावरण को और प्रगाढ़ बनाते हैं।

मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि माँ काली के दरबार में समय-समय पर भजन-कीर्तन, पूजा-अर्चना और भंडारे जैसे धार्मिक आयोजन किए जाते रहेंगे। उनका उद्देश्य समाज में भक्ति, एकता और सद्भाव का संदेश फैलाना है। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में और भी बड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें क्षेत्र के अधिक से अधिक भक्तों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

रोड जाम व हंगामे में ग्राम प्रधान सहित नौ नामजद

» टैंकर चालक की करंट लगने से मौत के बाद भड़का था ग्रामीणों का गुस्सा

» हत्या केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने रोड जामकर्ताओं पर कसा शिकंजा

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। गजनेर थाना क्षेत्र के बहावलपुर स्थित तेल डिपो पर दो दिन पहले टैंकर चालक संजय पाल की संदिग्ध परिस्थितियों में करंट लगने से मौत के बाद माहौल तनावपूर्ण बना रहा।

रविवार की रात हुई इस घटना के बाद सोमवार को शव लेकर परिजन और ग्रामीण रनियां पहुंचे और मालबर रोड पर जाम लगाकर हंगामा किया।

इस दौरान ग्रामीणों ने गांव के ही कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। मौके पर सीओ सदर संजय वर्मा, इंस्पेक्टर रनियां शिवनारायण सिंह व इंस्पेक्टर गजनेर जनार्दन प्रताप सिंह पहुंचे और जाम खुलवाने का प्रयास किया।

उग्र प्रदर्शन के चलते पुलिस को बैकफुट पर रहना पड़ा, लेकिन मृतक के पिता की तहरीर पर एक सभासद सहित दस लोगों पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था।

ग्राम प्रधान व आठ अन्य पर रोड जाम की धाराओं में केस

मंगलवार को मृतक संजय पाल का बिठूर में अंतिम संस्कार होते ही पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया और अपनी ओर से रोड जाम करने वालों पर मुकदमा दर्ज कर दिया। इंस्पेक्टर रनियां एस.एन. सिंह ने बताया कि ग्राम प्रधान सुनवर्षा उर्फ टिल्लू पाल, शिवकुमार, अजय पाल, शिवम पाल, कुलदीप, रामजी, आयुष, दयाशंकर (निवासी मालवर), भोगीलाल (निवासी डेरापुर) तथा अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ बीएनएस एक्ट की धारा 191(2), 132, 352, 351(3), 126(2) में मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

पुलिस का कहना है कि मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

लगातार दो दिन तक दबाव झेलने के बाद पुलिस के इस कदम को सख्ती के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

आठ दिन से ठप पेयजल आपूर्ति, पांच हजार की आबादी परेशान

» मोटर खराब होने से टंकी बंद, हैंडपंपों पर लगी कतारें

» ग्रामीणों ने जताई नाराजगी, अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात,माती। ग्राम सैंथा और आसपास के इलाकों में पिछले आठ दिनों से पेयजल आपूर्ति पूरी तरह से ठप है। पेयजल योजना के तहत बनी पानी की टंकी की मोटर 18 अगस्त को खराब हो जाने से सैंथा, गंगागंज, शुक्लन पुरवा और कंजरन डेरा समेत लगभग पांच हजार की आबादी पानी की किल्लत झेल रही है।

जलापूर्ति बंद होने से ग्रामीणों को हैंडपंपों पर लाइन लगानी पड़ रही है। गांव के अधिकांश हैंडपंप भी खराब हालत में पड़े हैं, जिस वजह से लोग मजबूरी में दूर-दराज के मोहल्लों तक बाल्टी-बाल्टी पानी ढोने को विवश हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पानी की टंकी पर 80 प्रतिशत से अधिक आबादी निर्भर है और एक सप्ताह से अधिक समय बीतने के बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है।

अधिकारियों की लापरवाही से बढ़ी समस्या

ग्राम प्रधान मो.क़ासिम ने बताया कि जलापूर्ति ठप होने की शिकायत कई बार अधिकारियों को दी जा चुकी है, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। तीन दिन पहले खराब मोटर निकाल ली गई थी और नई मोटर भी गांव में पहुंच चुकी है, इसके बावजूद अभी तक उसे

फिट नहीं किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासनिक लापरवाही के चलते उनकी रोजमर्रा की जिंदगी मुश्किल हो गई है। इस पर जल निगम के सहायक अभियंता संजय सिंह ने सफाई दी कि नई मोटर पंप भेज दी गई है और जल्द ही पानी की आपूर्ति शुरू करा दी जाएगी। हालांकि ग्रामीणों का गुस्सा कम नहीं हुआ है और उनका कहना है कि जब तक पानी की सप्लाई बहाल नहीं होती, तब तक राहत मिलना नामुमकिन है।

जनकपुरी मैदान में सम्पन्न हुई श्री रामलीला समिति की आमसभा

वर्तमान समिति को मिला पुनः अवसर, दशहरा मेला को लेकर तैयारी तेज

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो,

कानपुर देहात। आज दिनांक 26 अगस्त 2025, दिन मंगलवार को श्री रामलीला समिति की आम सभा की बैठक जनकपुरी मैदान में सम्पन्न हुई। बैठक में वर्ष 2024-25 का आय-व्यय विवरण समिति के ऑडिटर अभिषेक मिश्रा ने प्रस्तुत किया, जिसे आम सभा ने सर्वसम्मति से पारित किया।बैठक में वरिष्ठ सदस्यों ने कई विषयों पर विचार-विमर्श किया और वर्तमान समिति द्वारा किए गए कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। विशेष रूप से अयोध्यापुरी मंच निर्माण, जनकपुरी मैदान में दो मुख्य द्वारों का निर्माण तथा श्रृंगार मंडपम का निर्माण जैसी उपलब्धियों को सराहा गया।आम सभा की सहमति से आगामी वर्ष 2025-26 की रामलीला आयोजन की जिम्मेदारी पुनः वर्तमान समिति को सौंपी गई।

बैठक का संचालन पूर्व चेयरमैन जितेंद्र सिंह गुड्डन ने किया। इस अवसर पर समिति के वरिष्ठ सम्मानित सदस्य हरिओम शुक्ला, सतीश शुक्ला, प्रमोद मिश्रा, अशोक मिश्रा, राजेश मिश्रा, राम आसरे सैनी, महेश अग्रवाल 'झब्बू', रामजी मिश्रा, सूर्यकांत त्रिपाठी, श्याम ओमर, बऊवा पांडेय, श्यामू शुक्ला, गुड्डू मिश्रा, बब्बन शुक्ला, अखिलेश श्रीवास्तव, अंजनी अवस्थी, मनी गुप्ता, सत्यम ओमर, अंश अग्निहोत्री गुडवी, मनमोहन शुक्ला, प्रकाश गुप्ता, रजत अग्निहोत्री, अनूप त्रिपाठी गोरे, अमित राजपूत, सनी गुप्ता सहित सैकड़ों सदस्य व श्रद्धालु उपस्थित रहे।

निर्वाचित पदाधिकारीगण

अध्यक्ष – प्रशांत ओमर
उपाध्यक्ष – जहान सिंह यादव (सभासद), मयंक शुक्ला (एडवोकेट), मोनू राजावत, सरमन शुक्ला
महामंत्री – सुनील गुप्ता
मंत्री – अभिषेक श्रीवास्तव (रोमी, एडवोकेट), विकास सैनी (एडवोकेट), मनफूल यादव, रविन्द्र सिंह (नंदू), रितेश गुप्ता (रिशू)
कोषाध्यक्ष – दुर्गेश शर्मा
आय-व्यय निरीक्षक – अभिषेक मिश्रा (सोनू)
मेला प्रभारी – शिव शंकर मिश्रा
मीडिया प्रभारी – राहुल गुप्ता

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

इस बार नहीं आए लम्बोदर सरकार मूषक महाराज जिम्मेदार

निर्मल तिवारी स्वराज इंडिया

» ब्रह्म नगर चौराहे कई सालों से होता था आयोजन, इस बार नहीं होगा

» पार्षद पवन गुप्ता ने कहा कि चूहों की वजह से पूरा चौराहा धंसा, खेद है

कानपुर । पिछले वर्ष कानपुर का सबसे हाईटेक और भव्य माना गया ब्रह्म नगर चौराहे पर होने वाले लंबोदर महोत्सव का इस बार आयोजन नहीं हो रहा। ब्रह्म नगर चौराहे पर डाट नाला धंसने के कारण सड़क भी धंस गई थी, जिस कारण वहां पर वर्तमान समय में बड़ा सा गड्ढा है।

प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए आयोजकों ने इस बार आयोजन न करने का फैसला लिया। बताते चलें ब्रह्म नगर चौराहे पर डाट नाला एक जुलाई को धंस गया था, जिसका कारण चूहों को माना गया था?। शुरुआत में नगर निगम अधिकारियों ने एक से डेढ़ महीने के अंदर मरम्मत कार्य पूरा होने का आश्वासन दिया था लेकिन वर्तमान स्थिति नौ दिन चले अढ़ाई कोस से भी कम है।

शुरुआत में जिस काम को सहज माना जा रहा था तमाम तकनीकी चुनौतियों के चलते रास्ता कठिन होता गया। साथ ही जिम्मेदारों का मानना है कि इस चौराहे पर समस्या का स्थायी हल निकालना अत्यंत आवश्यक है। जिससे लंबे समय तक इस चौराहे पर सड़क धंसने या फिर डाट नाले के चलते कोई समस्या उत्पन्न ना हो।

तीन धार्मिक आयोजन हुए स्थगित

ब्रह्म नगर चौराहा अपनी हरियाली के साथ ही धर्म और संस्कृति का केंद्र भी है। दशकों से इस चौराहे पर सिंधी समाज चालिहा पर्व के अवसर पर झूलेलाल महोत्सव का भव्य आयोजन करता रहा है। इस आयोजन में सजने वाली झांकी तमाम क्षेत्रीय लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रही हैं।

लेकिन इस बार यह आयोजन मात्र सांकेतिक रूप में ही किया गया। इसी प्रकार इस चौराहे पर वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार यादव द्वारा श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर भव्य छठी पर्व का आयोजन भी दुर्दशा के चलते नहीं हो पाया। लंबोदर महोत्सव स्थगित होने की जानकारी ने केवल आसपास के क्षेत्रीय लोगों को ही नहीं अपितु सभी कनपुरियों को भी निराश किया है।

गीता पार्क रामलीला आयोजन पर भी संकट

कछुए की चाल से भी धीमी गति से चल रहे काम से एक ओर क्षेत्रीय लोगों को आवागमन की तमाम समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है तो दूसरी ओर लोगों के मन में यह भी संदेह है कि अगर स्थिति ऐसी ही रही तो गीता पार्क में होने वाले रामलीला कार्यक्रम पर भी संकट ना आ जाए! क्योंकि गीता पार्क जाने के लिए सुगम मार्ग ब्रह्म नगर चौराहे से ही है। यह संदेह मात्रा आम लोगों के ही मन में नहीं है बल्कि गीता पार्क रामलीला कमेटी के आयोजकों के मन में भी है। जिसका इजहार कमेटी के चेयरमैन वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार यादव ने किया।

ब्रह्म नगर चौराहे के समीप निवास करने वाले कानपुर के वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार यादव एडवोकेट, चेयरमैन गीता पार्क रामलीला कमेटी ने बताया कि ब्रह्म नगर चौराहे के निर्माण कार्य के संबंध में एक माह पूर्व आदरणीय महापौरजी से मिला था तथा महापौर जी से यह निवेदन किया था कि ब्रह्म नगर चौराहे का निर्माण कार्य अति शीघ्र कराया जाए क्योंकि ब्रह्म नगर चौराहे पर लंबोदर महोत्सव, झूलेलाल महोत्सव, तथा छठी पर्व का आयोजन होता है। जिसका संज्ञान लेते हुए महापौर जी ने मुख्य अभियंता को आदेशित किया था कि निर्माण कार्य त्योहारों के पूर्व पूरा कर लिया जाए। उनके द्वारा ब्रह्म नगर चौराहे का निरीक्षण भी किया गया था किंतु कुछ तकनीकी खामियों के कारण तथा ठेकेदारों द्वारा कार्य बहुत धीमी गति से किए जाने के कारण ब्रह्म नगर चौराहे का कार्य अभी भी पूरा नहीं हो पाया है। जिस कारण इस चौराहे पर होने वाले परंपरागत समारोह सुचार रूप से आयोजित नहीं हो पा रहे हैं। कानपुर नगर का प्रसिद्ध लंबोदर महोत्सव इस बार स्थगित कर दिया गया है। छठी पर्व का कार्यक्रम भी नहीं हो पाया तथा यदि यही स्थिति बनी रही तो गीता पार्क में होने वाले रामलीला महोत्सव पर भी संकट उत्पन्न हो जाएगा। क्योंकि गीता पार्क में रामलीला महोत्सव का मुख्य मार्ग तथा झूले इत्यादि के जाने का एकमात्र रास्ता ब्रह्म नगर चौराहे की तरफ से ही है।उन्होंने महापौर जी से पुनः निवेदन किया है कि समस्या का तत्काल निवारण करके ब्रह्म नगर चौराहे पर हो रहे निर्माण कार्य को अति शीघ्र पूरा कराया जाए, जिससे गीता पार्क में रामलीला का आयोजन सुचार रूप से हो सके तथा आने-जाने वाली आम जनता को हो रही असुविधा से निजात मिल सके।

वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार यादव

जिलाधिकारी ने ईवीएम वेयरहाउस का किया मासिक निरीक्षण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो,

कानपुर देहात।जिलाधिकारी कपिल सिंह ने सोमवार को विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सीसीटीवी व्यवस्था, साफ-सफाई, सुरक्षा एवं रखरखाव की स्थिति का गहन अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।डीएम ने स्पष्ट कहा कि ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि परिसर की नियमित साफ-सफाई हो, रखरखाव समय-समय पर किया जाए और निर्वाचन आयोग द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए।निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, परियोजना निदेशक वीरेंद्र सिंह समेत जिले के कई अधिकारी मौजूद रहे। वहीं विभिन्न राजनीतिक दलों के

प्रतिनिधियों ने भी निरीक्षण में हिस्सा लिया। भाजपा से श्याम बिहारी शुक्ला व श्यामू शुक्ला, समाजवादी पार्टी से शेखू खान व बृजमोहन यादव, कम्युनिस्ट पार्टी से राम औतार भारती, कांग्रेस पार्टी से गोविंद यादव व बालकेशन और आम आदमी पार्टी से रोहित कुमार यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे।इस अवसर पर वेयरहाउस इंचार्ज एवं भूमि संरक्षण अधिकारी देवेंद्र कुमार वर्मा, सहायक निर्वाचन अधिकारी गिरवर प्रसाद, सुरक्षा कर्मी और अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।जिलाधिकारी ने अंत में कहा कि ईवीएम की सुरक्षा व पारदर्शिता लोकतांत्रिक प्रक्रिया की नींव है।

जिले की 11 सीएचसी पर जूनियर डाक्टरों के अधीन काम कर रहे सीनियर डाक्टर

» शासन व महानिदेशक के निर्देशों का नहीं हो रहा पालन

» जिले की 14 में से 11 सीएचसी पर नियुक्त कर दिए गए लेबल वन के अधीक्षक

» एक सीएचसी पर है लेबल थ्री का व दो अन्य सीएचसी पर हैं लेबल टू के अधीक्षक

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। मुख्य चिकित्सा अधिकारी अयोध्या शासन के शासनादेश व महानिदेशक के निर्देशों को नहीं मानते। ऐसा इस लिए कहा जा रहा है कि, शासनादेश की अनदेखी करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. सुशील बालियान ने जिले की 14 सीएचसी में से 11 सीएचसी में लेबल वन के चिकित्सकों को अधीक्षक पद पर तैनाती दी है। जबकि शासनादेश के अनुसार सीएचसी पर लेबल थ्री से कम के चिकित्सक को अधीक्षक पद पर तैनाती नहीं दी जानी चाहिए। शासन का स्पष्ट निर्देश है कि, शासनादेश का पालन न करने वाले सीएमओ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लेकिन सीएमओ अयोध्या को न शासनादेश का कोई भय है और न ही महानिदेशक के किसी निर्देश की कोई चिंता है।

अयोध्या जनपद की सभी सीएचसी पर जूनियर (लेबल वन) के चिकित्सकों के अधीन सीनियर चिकित्सक काम कर रहे हैं।

विशेष सचिव डा. काजल ने शासन की ओर से जारी पत्र संख्या 2271/ चिकित्सा-3-2015-जी-205/-2015 महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं व उत्तर प्रदेश के सभी सीएमओ को भेजा था। जिसमें यह कहा गया था कि सभी पीएचसी पर वरिष्ठ एमबीबीएस डाक्टर को अधीक्षक/ प्रभारी बनाया जाय। इसके अलावा सभी सीएचसी पर लेबल थ्री के चिकित्सक को ही अधीक्षक/ प्रभारी बनाना सुनिश्चित करें। पत्र में यह भी कहा गया था कि ऐसा न करने वाले सीएमओ के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। शासन की ओर से जारी आदेश को दरकिनार कर सीएमओ अयोध्या ड़ा

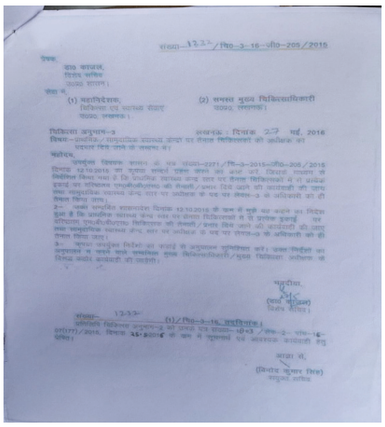

सुशील कुमार बालियान ने अयोध्या की 14 सीएचसी में से 11 सीएचसी पर लेबल वन के चिकित्सकों को अधीक्षक बना दिया है। मतलब यह कि जिले की 11 सीएचसी पर सीनियर चिकित्सकों को जूनियर डॉक्टर के अधीन काम करना पड़ रहा है। जिसके चलते सीनियर चिकित्सकों में असंतोष है। सूत्रों की मानें तो सीएमओ की इस कार्यशैली पर लोग सवाल खड़े कर रहे हैं। उनका कहना है कि आखिर सीएमओ शासन के आदेश को क्यों नहीं मान रहे हैं। वे क्या साबित करने मे लगे हैं। आखिर ऐसा कौन सा शासन का निर्देश है, जिसके तहत सभी जूनियर डॉक्टर अधीक्षक बना दिए गए हैं।

इन सीएचसी पर तैनात हैं लेबल वन के अधीक्षक

जिले सीएचसी मिल्कीपुर, मवई, रुदौली, खण्डासा, हेरिंग्टनगंज, बीकापुर, हैदरगंज, तारुन, मया बाजार व गोसाईं गंज व पूरा बाजार सीएचसी पर लेबल वन के डाक्टरों को अधीक्षक की कुर्सी सौपी गई है।

एक सीएचसी पर है मानक पूरा

जिले की सीएचसी सोनबा एक इकलौती सीएचसी है, जहाँ मानक के अनुरूप लेबल थ्री के डाक्टर मदन बरवाला को अधीक्षक बनाया गया है। इसके अलावा सीएचसी सोहावल व मसौधा दो सीएचसी पर लेबल टू के डाक्टर को अधीक्षक बनाया गया है। हालाकि इन दोनो सीएचसी पर सीनियर डाक्टर मौजूद हैं।

सीनियर डाक्टर नहीं बनना चाहते अधीक्षक

सीएमओ डाक्टर सुशील बालियान ने बताया कि यहाँ सीनियर डाक्टर अधीक्षक बनना ही नहीं चाहते हैं। वैसे भी यहां लेबल थ्री के चिकित्सक काफी कम हैं। शासनादेश काफी पुराना है। हालांकि उसे समाप्त नहीं किया गया है, फिर भी लेबल थ्री के चिकित्सक न मिलने के कारण लेबल वन के चिकित्सकों को अधीक्षक बनाया गया है।

यूपी में एनडीए सहयोगी दल पका रहे अलग खिचड़ी !

यूपी के कई क्षेत्रीय दल सियासी मौसम का पूर्वानुमान लगाने में माहिर बनते जा रहे हैं

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ । ऐसा लगने लगा है कि क्षेत्रीय दल सियासी मौसम का पूर्वानुमान लगाने में माहिर बनते जा रहे हैं। ज़मीन पर हालिया राजनीतिक माहौल में जो दृश्य दिखाई पड़ रहे हैं फ़िलहाल उससे तो यही प्रतीत होने लगा है। अभी कुछ दिनों पहले ही दिल्ली में निषाद पार्टी का स्थापना दिवस मनाया गया। इस आयोजन में यूपी की एनडीए सरकार में शामिल तीन ओबीसी नेताओं की तिकड़ी देखने को मिली। इस तिकड़ी को एक साथ एक मंच पर देखकर ऐसी चर्चाएं होने लगी कि यूपी की राजनीति में एनडीए के भीतर अलग खिचड़ी पक रही है। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी सरकार में काबिना मंत्री डॉ संजय निषाद के मंच पर सुभाषपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर एवं अपना दल (एस) के बड़े चेहरे आशीष पटेल की तिकड़ी ने उत्तर प्रदेश में राजनीतिक हलचल मचा कर रख दिया।

भाजपा को हमसे फ़ायदा नहीं, फ़िर गठबन्धन किस बात की!

मंगलवार को सोशल मीडिया पर डॉ संजय निषाद के प्रेस कॉन्फ्रेंस का एक वीडियो क्लिप चर्चाओं के केंद्र में रहा। डॉ संजय निषाद ने उस प्रेस-वार्ता में बीजेपी को कड़ा संदेश देते हुए कहा,

अगर भाजपा को ऐसा लगता है कि हम लोगों से उसे फ़ायदा नहीं मिल रहा है तो उसे गठबन्धन तोड़ देना चाहिये। उन्हें गठबन्धन तोड़कर अलग हो जाना चाहिये। दरअसल डॉ संजय निषाद का आरोप है कि एक तरफ बीजेपी ने हम जैसे क्षेत्रीय क्षत्रपों से गठजोड़ कर लिया है और दूसरी ओर, उसके कुछ छुट भैय्या नेता समय-समय पर हम लोगों को अपशब्द बोलते रहते हैं। संजय निषाद अपनी पीड़ा को भिन्न-भिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म पर वार्ता के माध्यम से रख रहे हैं।

कुछ महीनों पहले भी डॉ संजय निषाद के बयान तूल पकड़ चुका है

पिछले महीनों डॉ संजय निषाद ने पत्रकारों से बातचीत में खुलकर कह दिया था कि जब समाजवादी पार्टी ने हमारे लिये अपना दरवाज़ा बंद कर दिया था तब हम बीजेपी के साथ आये और कभी बीजेपी अपना दरवाज़ा हमारे लिए बंद कर देगी, फिर कहीं न कहीं तो हमें जाना ही पड़ेगा। इसके अलावा कभी सुभाषपा पार्टी के प्रवक्ता और नेताओं द्वारा तो कभी अपना दल (एस) के नेताओं द्वारा अपनी नाराज़गी जताई जाती रही है।

ऐसा कहा जा रहा है कि यूपी की राजनीति में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है।

विगत दिनों विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान ही समाजवादी पार्टी की विधायक और अति पिछड़ा वर्ग से आने वाली पूजा पाल ने सदन में अपने सम्बोधन के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जमकर तारीफ़ कर दी। सके बाद समाजवादी पार्टी ने पूजा पाल को पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने की वज़ह से पार्टी से निष्कासित कर दिया। समाजवादी पार्टी ने पिछले साल भर में ही अपने कई सारे विधायकों को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। इन विधायकों पर आरोप था कि इन्होंने राज्यसभा में क्रास वोटिंग किया है। उधर, पिछड़े वर्ग से आने वाले एक बड़े नेता स्वामी प्रसाद मौर्य सपा और भाजपा दोनों से अलग जाकर होकर अपनी अलग पार्टी बना चुके हैं।

सूत्रों की मानें तो ऐसा कयास लगाया जा रहा है कि आने वाले कुछ दिनों में सपा अपना बदला लेने के लिए बीजेपी में बड़ी सेंधमारी कर सकती है।

चालीस विधायकों की बैठक की वज़ह से कहीं ओबीसी नेताओं की गुट तो नहीं पनप रही

मीडिया रिपोर्टों में उविधानसभा के मानसून सत्र के ठीक पहले ही लखनऊ के एक होटल में 40 विधायकों ने बैठक करने की ख़बर

ने प्रदेश का सियासी पारा बढ़ा दिया। ऐसा कहा गया कि इन विधायकों में अधिकतर क्षत्रिय समाज के विधायक थे। इस बैठक को नाम दिया गया कुटुम्ब परिवार। योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल में पहली बार चालीस विधायकों का एक छत के नीचे आकर बैठक करने से सियासी पंडित भी हक्का-बक्का रह गये।हालांकि, इस बैठक के बारे में कहा गया कि यह आपसी मेल-जोल के लिए था, इसीलिए इसका नाम कुटुम्ब परिवार रखा गया।

वहीं, दूसरी ओर दिल्ली में एक मंच पर तीन-चार बड़े ओबीसी नेताओं की केमिस्ट्री को लेकर राजनीतिक विश्लेषक भी सोचने पर मजबूर हो गये। ऐसा माना जा रहा है कि इस तरह की मीटिंग्स

कोई संयोग है या फिर सोची-समझी प्रयोग! कहीं इसके पीछे कोई बड़ा हाथ तो नहीं!

आने वाले समय में कुछ और भी रोमांचक दृष्टि दिखने की उम्मीद लगाई जा रही है। उधर, सूत्रों की मानें तो सुभाषपा पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता की चिट्ठी ने भी माहौल गरम कर दिया है।

महापौर ने तोड़ा वचन, पखावज सम्राट स्वामी पागलदास का अपमान

» अयोध्या की सांस्कृतिक आत्मा पर चोट, संगीतकारों में गुस्सा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। प्रमोद वन मार्ग के नामकरण को लेकर महापौर के वादाखिलाफी ने अयोध्या की सांस्कृतिक गरिमा को गहरा आघात पहुंचाया है। विश्वविख्यात पखावज वादक स्वामी पागलदास के नाम पर मार्ग का नाम रखने की पूर्व घोषणा के बावजूद, महापौर ने कल इस मार्ग का नाम शंकराचार्य के नाम पर कर उद्घाटन कर दिया।

वादाखिलाफी के सबूत

सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरें और वीडियो इस बात के प्रमाण हैं कि महापौर ने पहले स्वामी पागलदास के नाम पर मार्ग का नामकरण करने की घोषणा की थी। बदलते निर्णय से कलाकारों, नागरिकों और सांस्कृतिक संगठनों में गहरी नाराजगी है।

कलाकारों की वेदना

स्वामी पागलदास के शिष्य विजय रामदास ने कहा यह केवल मेरे गुरु का नहीं, अयोध्या की संगीत परंपरा का अपमान है। यह वही परंपरा है जिसने इस नगरी को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई।

राजनीतिक दबाव के सवाल

कला जगत से जुड़े लोग सवाल उठा रहे हैं क्या यह बदलाव किसी राजनीतिक दबाव का परिणाम है?

क्या स्वामी पागलदास के सामाजिक दृष्टिकोण और आंदोलनकालीन रुख को लेकर असहमति उनके योगदान पर भारी पड़ गई?

सांस्कृतिक धरोहर पर चोट

स्वामी पागलदास ने अपने जीवन में केवल संगीत की साधना नहीं की, बल्कि हिंदू-मुस्लिम सद्भाव का संदेश भी दिया। रामजन्मभूमि आंदोलन के दौर में उन्होंने हमेशा

न्याय और मर्यादा की बात की। यही रुख उन्हें कुछ संगठनों की आंख की किरकिरी बना गया था।

संगीतकारों की मांग

कला जगत और नागरिकों ने मांग की है कि मार्ग का नाम स्वामी पागलदास के नाम पर ही रखा जाए।

उनका कहना है कि यह न केवल एक कलाकार का सम्मान है बल्कि अयोध्या की सांस्कृतिक आत्मा की रक्षा का प्रश्न भी है।

बोड़ेपुर की साधन सहकारी समिति किराए की दुकान से संचालित

» सहकारी समिति की नई लोकेशन किसानों की जमीनी सच्चाई

» किसानों की जेब पर बोझ - प्रशासन खामोश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र की साधन सहकारी समिति लि. बोड़ेपुर में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के नए खेल ने किसानों को हैरान कर दिया है। समिति, जो सरकारी जमीन पर बनी अपनी बिल्डिंग से संचालित होनी चाहिए, अब इब्राहिमपुर पूरे छबिलाल लाला का पुरवा स्थित एक किराए

की दुकान से चल रही है।

किराए की दुकान भी कोई साधारण नहीं

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह दुकान बीकापुर विधायक के प्रतिनिधि की है। समिति के अध्यक्ष मधुर श्रीवास्तव जो प्रतिनिधि साहब के भाई हैं के नाम पर समिति का संचालन हो रहा है। इससे समिति की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे हैं।

यूरिया के दाम पर विवाद

किसानों का आरोप है कि समिति में यूरिया की बोरियां 280 रुपये प्रति बोरी बेची जा रही हैं। निर्धारित मूल्य से अधिक दाम वसूले जाने पर किसानों में भारी नाराजगी है। कई किसानों का कहना है कि मजबूरी में उन्हें यह दाम चुकाने पड़ते हैं, क्योंकि समिति ही एकमात्र आपूर्ति केंद्र है।

सचिव की अनुपस्थिति और चपरासी का राज

किसानों ने यह भी आरोप लगाया है कि समिति के सचिव अक्सर अनुपस्थित रहते हैं। नतीजतन, समिति का संचालन चपरासी द्वारा किया जा रहा है, जो एक ओर यूरिया की बिक्री देख रहा है और दूसरी ओर कथित कमीशन के हिसाब-किताब का प्रबंधन भी करता है।

प्रशासन की चुप्पी-स्थानीय किसानों ने इसकी शिकायत कई बार प्रशासनिक अधिकारियों तक पहुंचाई है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि मामले की जांच की जाएगी, परंतु अब तक कोई लिखित आदेश जारी नहीं हुआ है।

किसानों की मांग-किसानों ने मांग की है कि समिति को उसकी मूल बिल्डिंग से संचालित किया जाए और अनियमितताओं में लिप्त अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो।

बिहार में प्रियंका का 'ट्रिपल-एम फॉर्मूला'

क्या महागठबंधन की चुनाव एक्सप्रेस को दे पाएगा रफ्तार?

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी पहली बार बिहार के दौरे पर हैं। प्रियंका गांधी राहुल-तेजस्वी के साथ 'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल हुई और मिथिलांचल के इलाके में सियासी माहौल बनाती नजर आई। उन्होंने महिला वोटों को साधने का दांव चला और माता सीता के मंदिर में माथा टेकने की भी उनकी रणनीति है। बिहार की सियासी जमीन पर पहली बार प्रियंका गांधी उतरी हैं।

राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की 'वोटर अधिकार यात्रा' में प्रियंका गांधी का दूसरा दिन है। सुपौल में शिरकत कर मधुबनी होते हुए मंगलवार को दरभंगा पहुंचीं और बुधवार को मुजफ्फरपुर के ज़रिए सीतामढ़ी पहुंचेंगी। इस तरह उनकी दो दिन की यात्रा पूरी तरह मिथिलांचल बेल्ट में है, जिसके जरिए वे महागठबंधन के पक्ष में सियासी माहौल बनाने की कवायद करती नजर आ रही हैं। प्रियंका गांधी की यात्रा का रूट पूरी तरह मिथिलांचल के इलाके में है, जहां वे महिला वोटों को साधने की कवायद कर रही हैं।

पाकिस्तान पर पड़ी दोहरी मार

7000 घर तबाह, 800 मौतें

बोलो पाक-भारत ने रावी पर बने थीन डैम और सतलुज पर बने भाखड़ा डैम के सभी गेट खोल दिए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। भारी बारिश और भारत की तरफ से छोड़े गए पानी ने पाकिस्तान में तबाही मचा दी है। अब तक 800 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों घर, सड़कें और मवेशी तबाह हो गए हैं। खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। आर्थिक संकट और महंगाई झेल रहा पाकिस्तान अब क्लाइमेट चेंज और बाढ़ की दोहरी चुनौती से जूझ रहा है। भारी बारिश से आई फ्लैश फ्लड्स ने पाकिस्तान की आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों को और गहरा कर दिया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 800 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों घर और पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर तबाह हो चुके हैं।

पाकिस्तान के चारों बड़े प्रांत खैबर पख्तूनख्वा, पंजाब, सिंध और बलूचिस्तान बाढ़ की चपेट में हैं। इनमें सबसे ज्यादा असर पख्तूनख्वा पर पड़ा, हालांकि हाल के दिनों में वहां स्थिति थोड़ी बेहतर हुई है। अब प्रकृति का प्रकोप पंजाब की ओर मुड़ा है, जिसे पाकिस्तान का सबसे अहम इलाका माना जाता है। पंजाब में सेना की यूनिट्स को छह जिलों में राहत और बचाव कार्यों के लिए लगाया गया है। हजारों लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है।

भारत से पानी छोड़े जाने का असर : पख्तूनख्वा में बाढ़ का मुख्य कारण भारी बारिश रहा, जबकि पंजाब में स्थिति बारिश और भारत की तरफसे छोड़ा गया पानी भी शामिल है। पाकिस्तान के अधिकारियों ने मंगलवार को घोषणा की कि भारत ने रावी पर बने थीन डैम और सतलुज पर बने भाखड़ा डैम के सभी गेट खोल दिए हैं। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाल के दिनों में भारत ने पाकिस्तान को दो बार फ्लड अलर्ट भेजा था। यह जानकारी हाई कमीशन के रास्ते दी गई क्योंकि आतंकवादी हमले के बाद से सिंधु जल संधि के तहत हाइड्रोलॉजिकल डेटा साझा करना फिलहाल बंद है।

पाकिस्तान में तबाही का पैमाना : नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के अनुसार, 26 जून से शुरू हुई बाढ़ में अब तक 7200 से ज्यादा घर पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। 650 किलोमीटर से ज्यादा सड़कों को नुकसान पहुंचा है। 5500 से ज्यादा मवेशियों की मौत हो चुकी है, जो ग्रामीण आजीविका पर बड़ा असर डाल रही है। अब तक 1000 से ज्यादा लोग घायल हो चुके हैं। मरने वालों में 203 बच्चे शामिल हैं। अकेले खैबर में 480 मौतें और 340 घायल दर्ज किए गए हैं। पंजाब में 165 मौतें और 584 घायल हुए हैं। पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर में भी 23 लोगों की जान गई है।

क्लाइमेट चेंज और पाकिस्तान की चुनौतियां

पाकिस्तान की भौगोलिक स्थिति इसे क्लाइमेट चेंज के असर के प्रति बेहद संवेदनशील बनाती है। देश को न केवल भारी मॉनसूनी बारिश झेलनी पड़ती है, बल्कि अत्यधिक गर्मी, सूखा और तेजी से पिघलते ग्लेशियर भी चुनौती बनते जा रहे हैं.। एनडीएमए का कहना है कि पाकिस्तान के लगभग आधे ग्लेशियर सामान्य से तेजी से पिघल रहे हैं।

खरी-खरी

आरएसएस के सौ वर्ष पूरे होने पर तीन दिवसीय कार्यक्रम नई दिल्ली के विज्ञान भवन में शुरू हुआ

देश को बड़ा बनाने के लिए किसी नेता के भरोसे नहीं छोड़ सकते

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का '100 वर्ष की संघ यात्रा : नए क्षितिज' विषय पर तीन दिवसीय कार्यक्रम मंगलवार से नई दिल्ली के विज्ञान भवन में शुरू हुआ। इसके पहले दिन आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भारत के भविष्य के लिए अपना दृष्टिकोण और उसे आकार देने में स्वयंसेवकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश में परिवर्तन किसी नेता के भरोसे बैठने से नहीं आता है, इसके लिए सबको मिलकर लगना पड़ता है।

समाज के गुण और अवगुण : मोहन भागवत ने कहा कि हमारे उपाय अधूरे रहेंगे अगर हमारे समाज के जो कुछ दुर्गुण हैं, उन्हें दूर न किया जाए तो क्योंकि एक बात स्वतः सिद्ध है कि देश को बड़ा बनाना है या स्वतंत्रता करना है तो नेताओं या संगठनों के भरोसे नहीं रहा जा सकता है।

» मोहन भागवत ने कहा कि देश में परिवर्तन केवल नेताओं पर निर्भर नहीं करता बल्कि समाज की सामूहिक भागीदारी जरूरी है

» उन्होंने समाज के अवगुणों को दूर करने और गुणों को विकसित करने को राष्ट्र की प्रगति के लिए जरूरी बताया

उन्होंने कहा कि नेता और संगठन सहायक भर होते हैं। लेकिन सबको लगना पड़ता है। पूरे समाज के प्रयास से ही कोई परिवर्तन आता है। हमारे राष्ट्र को एक बार फिर महान बनाने का एकमात्र तरीका हमारे समाज का गुणात्मक विकास व राष्ट्र की प्रगति में पूरे समाज की भागीदारी है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि अगर हम देश को बड़ा बनाना चाह रहे हैं तो यह देश को किसी नेता के भरोसे छोड़कर नहीं होगा, सब सहायक होंगे, नेता, नीति, पार्टी, अवतार, विचार, संगठन और सत्ता सबको मिलना होगा।

समाज की उन्नति के लिए कैसा नायक चाहिए : मोहन भागवत ने रविंद्र नाथ ठाकुर के 'स्वदेशी समाज' शीर्षक वाले निबंध का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि इसमें लिखा है कि समाज में जागृति राजनीति से नहीं आएगी, उन्होंने कहा है कि हमारे समाज में स्थानीय नेतृत्व खड़ा करना पड़ेगा, उन्होंने इसके लिए नायक शब्द का इस्तेमाल किया है। इसे समझाते हुए उन्होंने कहा कि जो स्वयं शुद्ध चरित्र हो, जिसका समाज से निरंतर संपर्क है, समाज जिस पर विश्वास करता है और जो अपने देश के लिए जीवन-मरण का वरण करता है, ऐसा नायक चाहिए।